

प्रेषक,

एम0एम0सेमवाल,
अनु सचिव,
उत्तराखण्ड शासन।

सेवा में,

निदेशक,
उरेडा,
देहरादून।

ऊर्जा विभाग,

देहरादून: दिनांक 16 अप्रैल, 2008

विषय: वित्तीय वर्ष 2008-2009 में उत्तराखण्ड अक्षय ऊर्जा विकास अभिकरण (उरेडा) को आयोजनेत्तर पक्ष में वित्तीय स्वीकृति।

महोदय,

उपरोक्त विषयक वित्त विभाग के शासनादेश संख्या-267/XXVII(1)/2008, दिनांक 27-3-2008 के क्रम में एवं आपके पत्र संख्या-29/उरेडा-11(11)नो0प्ला0/2008-09, दिनांक 3-4-2008 के सन्दर्भ में मुझे यह कहने का निदेश हुआ है कि वित्तीय वर्ष 2008-2009 में आयोजनेत्तर पक्ष में उत्तराखण्ड अक्षय ऊर्जा विकास अभिकरण (उरेडा) को रु0 9000 हजार (रु0 नब्बे लाख मात्र) की धनराशि निम्न शर्तों के अधीन व्यय हेतु आपके निर्वर्तन पर रखे जाने की श्री राज्यपाल महोदय सहर्ष स्वीकृति प्रदान करते हैं:-

- 1- स्वीकृत धनराशि की फांट निदेशक, उरेडा, देहरादून द्वारा मुख्यालय एवं जिला स्तरीय कार्यालयों के लिये किया जायेगा।
- 2- स्वीकृत धनराशि का बिल निदेशक, उरेडा द्वारा तैयार कर सहायक विद्युत निरीक्षक, देहरादून के प्रतिहस्ताक्षर के उपरान्त देहरादून कोषागार से मासिक रूप से वास्तविक आवश्यकतानुसार ही आहरण किया जायेगा तदोपरान्त निदेशक, उरेडा द्वारा सम्बन्धित जिलों को धनराशि प्रेषित की जायेगी एवं जनपदवार प्रेषित की गई धनराशि की सूचना शासन को उपलब्ध कराई जायेगी।
- 3- व्यय करते समय बजट मैनुअल, वित्तीय हस्त पुस्तिका, स्टोर पर्चेज रूल्स, डी0जी0एस0 एण्ड डी0 अथवा टैण्डर/कुटेशन विषयक नियम एवं मितव्ययता के विषय में शासन द्वारा समय-समय पर निर्गत आदेशों का पालन करते हुये व्यय किया जायेगा। मितव्ययता की मदों में कटौती किए जाने के प्रयास किए जायेंगे।
- 4- स्वीकृत धनराशि का अन्यत्र विचलन कदापि न किया जाये। स्वीकृत धनराशि का अन्यत्र विचलन करने पर सम्बन्धित आहरण वितरण अधिकारी व्यक्तिगत रूप से जिम्मेदार होंगे।
- 5- स्वीकृत धनराशि के सापेक्ष प्रतिमाह व्यय की सूचना निर्धारित प्रपत्रों पर वित्त विभाग, महालेखाकार एवं शासन को ससमय उपलब्ध कराया जायेगा।
- 6- अगली किश्त तभी स्वीकृत की जायेगी, जब उरेडा द्वारा वास्तविक व्यय का विवरण, पूर्व स्वीकृत एवं अब स्वीकृत की जा रही धनराशि का मदवार व्यय विवरण एवं उसकी उपयोग की स्थिति उपलब्ध करा दी जायेगी। स्वीकृत की जा रही धनराशि का दिनांक 31.03.2009 तक पूर्ण उपयोग कर लिया जायेगा।

कमश:— 2

- 7- यात्रा व्यय तथा पीओएल एवं वाहन अनुरक्षण पर मितव्ययता के आधार पर व्यय किया जायेगा।
9- इस सम्बन्ध में होने वाला व्यय चालू वित्तीय वर्ष 2008-2009 के आय-व्ययक के अनुदान सं०-21 के अन्तर्गत लेखाशीर्षक 2810-वैकल्पिक ऊर्जा-60-ऊर्जा के अन्य स्रोत-आयोजनेत्तर-800-अन्य व्यय-03-प्रशासनिक व्यय-01-उरेडा के लिये अनुदान-20-सहायक अनुदान/अंशदान/राज सहायता के नामें डाला जायेगा।

2- यह आदेश वित्त विभाग के असासकीय संख्य-438 /XXVII(2)/2008, दिनांक 15अप्रैल, 2008 द्वारा प्राप्त उनकी सहमति से जारी किये जा रहे है।

भवदीय,

(एम०एम०सेमवाल)
अनु सचिव।

522
संख्या 1/2008-03(1)/20/08, तददिनांक।

प्रतिलिपि निम्नलिखित को सूचनार्थ एवं आवश्यक कार्यवाही हेतु प्रेषित:-

- 1- महालेखाकार, उत्तराखण्ड, देहरादून।
- 2- स्टाफ आफिसर-मुख्य सचिव, उत्तराखण्ड शासन।
- 3- समस्त कोषाधिकारी, उत्तराखण्ड।
- 4- समस्त परियोजनाधिकारी, उरेडा।
- 5- वित्त अनुभाग-2
- 6- सहायक विद्युत निरीक्षक, विद्युत सुरक्षा विभाग, देहरादून।
- 7- प्रभारी, एन०आई०सी०, सचिवालय परिसर।
- 8- गार्ड फाईल हेतु।

(एम०एम०सेमवाल)

अनु सचिव